Delay in Constitution of Haj Committees for 1989

श्री श्रमीम श्रहमद सिद्दीकी (दिल्ली) : जनाब वाइस चेयरमैन साहब, मैं आपकी तवज्जो, इस हाउस की तवज्जो इस तरफ दिलाना चाहता हूं कि हुज 1989 का एलान हो चुका है और हज पे जाने वालों की तारीख । 11 जनवरी मुकरंर हो चुकी है, लेकिन हिन्दुस्तान की बहुत सी स्टेट्स के ग्रंदर, खासकर दिल्ली ग्रीर युव्पीव के अंदर, हज कमेटियों की तक्कील नहीं की गई है जिसकी वजह से फार्म भरने की तारीख में गडबडी होने का अंदेशा है। जैसा कि इस हाउस को मालम है पिछले सैशन के शंदर पिछले साल के हज की तारीख के सिलसिले में जो गडबिडयां हुई थीं, उनकी तरफ तवज्जो दिलाई गई थी। मैं हकमत का ध्यान इस तरफ दिलाना चाहता हं भीर इस वात की मांग करता हं कि इज कमेटियां, जिनकी वजह से 1988 के हज के ग्रंदर गड़बड़ियां हुई थीं, उन हज कमेटियों को खतम किया जाए ग्रौर ग्रब नई हज कमेटियों की तक्कीन की जाए।

इसके साथ ही मैं आज इस स्पेशल मैं भन के जरिए वजीरे धाजम श्री राजीव गांधी का भी धन्यवाद करता हं कि जिन्होंने उन हजारों गरीब हाजियों के लिए पानी के जहाज की व्यवस्था की है और उसका एलान हो गया है । दूसरी चीज जो पिछले साल हज के मौके पर परेशानियां ग्रौर दिक्कर्ते हुई थीं, हवाई जहाज ग्रौर पानी के जहाज की तारीख मुकरंर करने में देरी हुई थी, उस सिलिसिले में मैं हकुमत से मुतालबा करता हूं कि उन तारीखों का फौरन एलान किया जाए और इस बात की कोशिश की जाए कि जो पिछले साल गड़बड़िया हुई थीं, उनकी रोकथाम हो और हुज पे जाने वाले यात्रियों को पूरे आराम और क्रासाइश के साथ वहाँ पर भेजा जाए ।

एक चीज की तरफ मैं श्रीर श्राखिर में श्यान दिलाना चाहता हूं श्रीर शायद हुकूमत के ध्यान में यह बात है। मेरी सरकार से गुजारिश है कि हाजियों को जो रकम श्रपनी जरूरते जिन्दगी की चीजें हैने के लिए दी जाती थीं एसमें से 7

हजार रुपए की रकम उनसे रिहायक के लिए काटी जाती है। लिहाजा मेरा मुतालवा है कि 7 हजार की उस रकम को फॉरेन एक्सचेंज में न लिया जाए और उनको इस बात के लिए सहलियत दी जाए कि वे हज का अपना फर्ज अदा कर सकें।

आपने मुझे यह बात रखने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका शुक्रगुकार हूं।

श्री मोहम्भद खंलीलुररहमान : जनाब वाइस चेयरमैन साहब, मैं इसकी ताईद करता हूं।

†[شرى مصد خليل الرحمان: جناب وأئس چيرمين صاحب - مين اس كى تائيد كرتا هون -]

श्री मृहम्मद श्रमीन श्रंतारी: मैं भी इसकी ताईद करता हूं।

†[شری محمد امین انصابی : میر بهی اس کی تائید کرتا هوں -]

ا [شرى محصد امين (مفربي بنكال): میں آپ کے فریعے حکومت هلد کی قوجة ثيدًا كوه يههر سل كي طرف دانا جامنا موں - ثبتا كوه يهدو مل ۱۰۰ ورش هرانا کارخانه هے اور امع بهت نام بهی هوا - اس مهن کچھ خاص قسم کے کافذ تھار ھوتے تھے ۔ ایک نمبو کا کارخانہ ٹیٹا گوھ پشچمی بنال میں ہے۔ اور دو نمبر كا المخالف كهكانازة صهن أندهوا يرديهن ميں هے - يه دونوں کارغانے تهن سال سے بدد ہوے موثے ہیں - اسکے بند هونے کی وجه سردوروں کی کولی مانگ نہیں ہے بلکہ کچے تو کھے ما کی کمی اور کچھ انتظامیہ کی خوابی اور کنچه منصوبة بلدی کی

^{†[]} Transliteration in Arabéc Script.

171

کمی یہ سب ملاکر نے ان کارضانوں میں بہران پیدا عوا ہے - دونوں كارخالون مين لأم كوني الون مزدورون کی تعداد ۱۰۰۰ هے جندیں زیادہ در لوگ ادر پردیمی کے هیے خاص كون اله أله ضلع في عين جو الدني روز ، روٹی کمانے کیلئے وہاں جاتے هيں - اور ان كارغانيں ميں لكے هوئے هيں - اب تين سال سے يه کارخانے بدد ہرنے کی وجه سے کیا حالت هو سكتي هے وہ آپ سعجه حكتے هيں- لوگ تبه هو كئے هيں-ابهی بهی یه معامله بی - اُئی -ایف - آر - میں پرا ہوا ہے -اندستريل ديهارتمنت نے اسكو تحمقیقات بھی کی تھی ۔ اور اسکی ریورت انکے باس ہے ۔ لیکن کارضانے کیلئے کی کوئی صورے تظر تہیں آ رهي هے - بيچ مربي يه غبر المهارون مين نكلى كه هكومت هده پ جاب میں ۱۲۰۰ کروز روپئے کا ملصوبه بنا کو للی مادر یهدر می کھولئے جا رهی هے - اس سے ان سردوروں کی پریشانہاں اور بھی ہوھ گئیں ھیں جسکی وجه یه نہیں ہے که انهیں ملک کے کسی عصه میں كوتر لها كارخاله كهلق بو كوثي اعتراض هو - الرحانه كهايم كي فرررت جهان بهی هوکی وهان کهلقا جاهلے - ليکن براء کارف نے جو يہلے سے بلد ہو۔ ہوئے میں - انکی طرف دهیا دینا چاهنے کر یه نهیں هوا تو پهر کھے مال کی جو کمی ه وہ کسی بوقوار وہے گئی - ج بدنال سیں کجے سال کی کسی ہے۔ آسام، ازیسه - ان سر جگهون سے کھا مال جايا كرتا تها - آسام مهن

بهی اب پیهر سل کهل گلتی هے -أربيسة سهن بهي پيهر سل كهل كأني هے - اسلیّے اس بات کی ضرورت ہے كم عكومت هذه ديهي مين كحج مال کے منام ب عواری ہو دھیاں دے - اک یہ نہیں کیا گیا ہو جو نیے کارخانے کھولیں لے - وہ بھی نہیں چل ہائیں گے - اور برٹے کارے نوں کی مصهدت بهی دور نهین هوگی -أسكي سأله هي ية بهي هم ديكهاتي هين که کافق کي ضرورت ديش مين برهدی جا هی هے - اور یه ضرورت پورمے کرنے کے نگر سرکار قورنے بها المحمد المراج كرك والعمول س كاغة ملكياً رهى هي - اس طرح س يه بات محجم مين نهين أتى هے۔ كه أغراس معاللًا على كيا عل فکلے ا اسکے سیا آپ کے ڈویعے إنق الرالي فيارثماك أورحكوماك هاد سے یہ مانک کانا چامتا ہوں کا ولا أس معاملے کو دیکھے - ایر کارشالوں کو جانے میں کوئی بہت زیادہ رویکے پیسے کی ضرور سا نہیں هوگی کچه رومیه اثر دالما بویا - اور تھیک تھنگ سے اگر یہ چلاس نو ۸ هؤار لوگون کی جنوبی انصال هو بھالھیں اور ایا ہوی مصبحہ ہے هم لوگ چې سکهن کړ د 🕞 🔒

Agitation of Medical Teachers in Rajasthan

SHRI JASWANT SINGH (Rajasthan): Mr. Vice-Chairman, Sir, I refer to the continuing difficulty and 1 agitation and the mass casual leave | taken by the medical teachers in the I State of Rajasthan and throughout the medical colleges of Rajasthan.